

अरुण कमल

इन नए बसते इलाकों में
जहाँ रोज बन रहे हैं नए-नए मकान
मैं अकसर रास्ता भूल जाता हूँ

शहर में नये मुहल्ले रोज ही बसते हैं। ऐसी जगहों पर रोज नये-नये मकान बनते हैं। रोज-रोज नये बनते मकानों के कारण कोई भी व्यक्ति ऐसे इलाके में रास्ता भूल सकता है। कवि को भी यही परेशानी होती है।

धोखा दे जाते हैं पुराने निशान
खोजता हूँ ताकता पीपल का पेड़
खोजता हूँ ढहा हुआ घर
और जमीन का खाली टुकड़ा जहाँ से बाएँ
मुड़ना था मुझे
फिर दो मकान बाद बिना रंगवाले लोहे के फाटक का
घर था इकमंजिला

जो पुराने निशान हैं वे धोखा दे जाते हैं क्योंकि कुछ पुराने निशान तो सदा के लिए मिट जाते हैं। अक्सर ऐसा होता है कि कोई बूढ़ा पीपल का पेड़ गायब हो जाता है या कोई ढहा हुआ मकान अब नहीं दिखता। पहले तो जमीन के खाली टुकड़े के पास से बाएँ मुड़ना था और उसके बाद दो मकान के बाद बिना रंगवाले लोहे के फाटक से इकमंजिले मकान में जाना था।

और मैं हर बार एक घर पीछे
चल देता हूँ
या दो घर आगे ठकमकाता
यहाँ रोज कुछ बन रहा है

रोज कुछ घट रहा है
यहाँ स्मृति का भरोसा नहीं

लेकिन हर बार की तरह इस बार भी कवि ठकमका जाता है और या तो एक घर पीछे या दो घर आगे चला जाता है। जहाँ पर रोज ही कुछ नया बन रहा हो वहाँ पर रास्ते ढूँढ़ने के लिए आप अपनी याददाश्त पर भरोसा नहीं कर सकते।

एक ही दिन में पुरानी पड़ जाती है दुनिया
जैसे वसंत का गया पतझड़ को लौटा हूँ
जैसे बैसाख का गया भादों को लौटा हूँ
अब यही है उपाय कि हर दरवाजा खटखटाओ
और पूछो – क्या यही है वो घर?
समय बहुत कम है तुम्हारे पास
आ चला पानी ढहा आ रहा अकास
शायद पुकार ले कोई पहचाना ऊपर से देखकर।

एक ही दिन में सबकुछ इतना बदल जाता है कि एक दिन पहले की दुनिया पुरानी लगने लगती है। ऐसा लगता है जैसे महीनों बाद लौटा हूँ। अब सही घर ढूँढ़ने का एक ही उपाय है कि हर दरवाजे को दस्तक दो। अब तो बारिश भी आने वाली और उम्मीद है कि कोई परिचित मुझे देख ले और आवाज लगा दे।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

Question 1: नए बसते इलाके में कवि रास्ता क्यों भूल जाता है?

उत्तर: नये बसते इलाके में रोज रोज नये-नये मकान बनते हैं। इससे आसपास का नजारा बदल जाता है और पुराने निशान गायब हो जाते हैं। इसलिए कवि रास्ता भूल जाता है।

Question 2: कविता में कौन-कौन से पुराने निशानों का उल्लेख किया गया है?

उत्तर: पीपल का पेड़, ढहा हुआ मकान, लोहे की बिना रंगवाली गेट

Question 3: कवि एक घर पीछे या दो घर आगे क्यों चल देता है?

उत्तर: कवि सही घर को नहीं ढूँढ़ पाता है और इसलिए एक घर पीछे या दो घर आगे चल देता है।

Question 4: 'वसंत का गया पतझड़' और 'बैसाख का गया भादों को लौटा' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर: इसका मतलब है महीनों बाद लौटना।

Question 5: कवि ने इस कविता में 'समय की कमी' की ओर क्यों इशारा किया है?

उत्तर: जल्दी से सही पता न मिलने पर हो सकता है कि कवि की परेशानियाँ बढ़ जाएँ। हो सकता है उसे बिलावजह किसी होटल में किराये पर कमरा लेना पड़े, या प्लेटफॉर्म पर रात बितानी पड़े।

Question 6: इस कविता में कवि ने शहरों की किस विडंबना की ओर संकेत किया है?

उत्तर: इस कविता में कवि ने शहरों के लगातार बदलते स्वरूप की ओर संकेत किया है। शहर में कुछ भी स्थाई नहीं होता। सब कुछ इतनी तेजी से बदलता है कि लोग हक्के बक्के रह जाते हैं।

व्याख्या कीजिए:

Question 1: यहाँ स्मृति का भरोसा नहीं, एक ही दिन में पुरानी पड़ जाती है दुनिया

उत्तर: जब एक ही दिन में इतने परिवर्तन हों कि एक दिन पहले की दुनिया अतीत लगने लगे तो ऐसे में कोई पता ढूँढने के लिए याददाश्त पर भरोसा करने से कोई लाभ नहीं होता।

Question 2: समय बहुत कम है तुम्हारे पास, आ चला पानी ढहा आ रहा अकास, शायद पुकार ले कोई पहचाना ऊपर से देखकर

उत्तर: जल्दी से सही पता न मिलने पर हो सकता है कि कवि की परेशानियाँ बढ़ जाएँ। हो सकता है उसे बिलावजह किसी होटल में किराये पर कमरा लेना पड़े, या प्लेटफॉर्म पर रात बितानी पड़े। ऐसे में यदि कोई परिचित देख ले और आवाज लगा दे तो आगंतुक का काम आसान हो जाएगा।